रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

101

401 (IAB)

2016
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

जो समझता है वह दूसरों का उपकार कर रहा है, वह अबोध है; जो समझता है कि दूसरा उसका अपकार कर रहा है, वह भी बुद्धिहीन है। मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है, अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास–विधाता की योजना के अनुसार। किसी को उससे सुख मिल जाये, बहुत अच्छी बात है, नहीं मिल सका, कोई बात नहीं, परन्तु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए। सुख पहुँचाने का अभिमान यदि गलत है, तो दुःख पहुँचाने का अभिमान तो नितरां गलत है।

दुःख और सुख तो मन के विकल्प हैं। सुखी वह है जिसका मन वश में है। दुःखी वह है जिसका मन परवश में है। परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ–हजूरी। जिसका मन अपने वश में नहीं है, वही दूसरों के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है। कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है। वह वशी है। वह वैरागी है। राजा जनक की तरह संसार में रहकर सम्पूर्ण भोगों को भोगकर भी उनसे मुक्त है। जनक की भाँति वह घोषणा करता है– मैं स्वार्थ के लिए अपने मन को सदा दूसरों के मन में घुसाता नहीं फिरता, इसलिए मैं मन को जीत सका हूँ, उसे वश में कर सका हूँ।

(क) मनुष्य को अभिमान क्यों नहीं होना चाहिए ? 3

(ख) 'दुःख और सुख तो मन के विकल्प हैं' कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 3

(ग) कुटज कैसे व्यक्ति का प्रतीक है और क्यों ? 3

(घ) परवश व्यक्ति कैसा होता है ? 3

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 3

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए– 10

(क) अनुशासन का महत्व

(ख) पर्यावरण सुरक्षा

(ग) विज्ञान – वरदान या अभिशाप

(घ) आधुनिक युग में नारी की भूमिका

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए– $1 \times 5 = 5$

(क) हिन्दी भाषा में प्रकाशित एक साहित्यिक मासिक पत्रिका का नामोल्लेख कीजिए।

(ख) प्रिंट मीडिया से आप क्या समझते हैं ?

(ग) वीडियो कान्फ्रेंसिंग क्या है ?

(घ) किसी पत्रिका का आजीवन सदस्य कौन हो सकता है ?

(ङ) 'सम्पादकीय' से आप क्या समझते हैं ?

4. सरकारी विद्यालयों में 'अध्ययन–अध्यापन के प्रति समर्पण का अभाव' **अथवा** 'मानवीय रिश्तों की गिरावट' विषय पर लगभग 150 शब्दों का आलेख तैयार कीजिए। 5

[P.T.O.

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 2×3 = 6

(i) हरषि राम भेटेउ हनुमाना। अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना ।।
तुरत बैद तब कीन्हि उपाई। उठि बैठे लछिमन हरषाई ।।
हृदयँ लाइ प्रभु भेंटेउ भ्राता। हरषे सकल भालु कपि ब्राता ।।
कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा। जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा ।।

(क) उपर्युक्त पद्यांश में 'भेटेउ' शब्द का दो बार प्रयोग हुआ है। दोनों पंक्तियों में प्रयुक्त 'भेटेउ' शब्द का पृथक – पृथक भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) लक्ष्मण के जीवित होने पर क्या हुआ ?

(ग) 'जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ii) आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है
बालक तो हई चाँद पै ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ
देख आइने में चाँद उतर आया है

(क) 'बालक तो हई चाँद पै ललचाया है' पंक्ति में बालक के चाँद पर ललचाने से कवि बालमन के किन–किन भावों को बतलाना चाहता है ?

(ख) माँ दर्पण किसे देती है तथा उससे क्या कहती है ?

(ग) 'आइने में चाँद उतर आया है' का आशय स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×2 = 4

नभ में पाँती–बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।
हौले हौले जाती मुझे बाँध निज माया से।
उसे कोई तनिक रोक रक्खो।
वह तो चुराए लिए जाती मेरी आँखें
नभ में पाँती–बँधी बगुलों की पाँखें।

(क) आकाश में किसकी पंक्ति बँधी है ? वह क्या चुराए ले जा रही है ?

(ख) उपर्युक्त पद्यांश में कवि ने सांझ के सौन्दर्य को किसके माध्यम से दिखाया है ?

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×2 = 4

(क) बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं, किंतु कभी–कभी भाषा के चक्कर में 'सीधी बात भी टेढ़ी हो जाती है' कैसे ?

(ख) 'बादल राग' कविता में कवि बादलों को किस रूप में देखता है ? कालिदास ने मेघदूत काव्य में मेघों को दूत के रूप में देखा। आप अपना कोई काल्पनिक बिंब दीजिए।

(ग) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में व्यक्त व्यंग्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×3 = 6

(i) यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति–शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट

बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी। इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई–भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे गाहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं।

(क) बाज़ार को सार्थकता कौन दे सकता है ?

(ख) 'पर्चेजिंग पावर' का गर्व किन लोगों को होता है ?

(ग) बाज़ार को सच्चा लाभ कौन दे सकते हैं ?

(ii) बस एक बात मेरे समझ में नहीं आती थी कि जब चारों ओर पानी की इतनी कमी है तो लोग घर में इतनी कठिनाई से इकट्ठा करके रखा हुआ पानी बाल्टी भर–भर कर इन पर क्यों फेंकते हैं। कैसी निर्मम बरबादी है पानी की। देश की कितनी क्षति होती है इस तरह के अंधविश्वासों से। कौन कहता है इन्हें इन्द्र की सेना ? अगर इंद्र महाराज से ये पानी दिलवा सकते हैं तो खुद अपने लिए पानी क्यों नहीं माँग लेते ? क्यों मुहल्ले भर का पानी नष्ट करवाते घूमते हैं, नहीं यह सब पाखंड है। अंधविश्वास है। ऐसे ही अंधविश्वासों के कारण हम अंग्रेज़ों से पिछड़ गए और गुलाम बन गए।

(क) देश को किस तरह के अंधविश्वासों से क्षति होती है ?

(ख) इन्द्र सेना पर लेखक क्या व्यंग्य करता है ?

(ग) हम भारतवासी अंग्रेजों से क्यों पिछड़ गये ?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $3 \times 2 = 6$

(क) भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी ? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया होगा ?

(ख) 'नमक' कहानी में भारत व पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है, कैसे ?

(ग) 'शिरीष के फूल' के माध्यम से लेखक आम आदमी को क्या संदेश देना चाहता है ?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $2 \times 2 = 4$

(क) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं।

(ख) 'जूझ' कहानी के आधार पर कथानायक की पढ़ाई के प्रति ललक का चित्रण कीजिए।

(ग) स्पष्ट कीजिए कि 'सिंधु–सभ्यता साधन–संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था।'

11. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में प्रयुक्त 'समहाउ इंप्रापर' तथा 'जो हुआ होगा' वाक्यांश विषय वस्तु में प्रभावी असर उत्पन्न करते हैं। स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

'जूझ' निम्न मध्यवर्गीय ग्रामीण समाज के किसान मजदूरों के संघर्ष की अनूठी झाँकी है। इस कथन की पुष्टि कीजिए।

खण्ड – 'ब'

12. निम्नांकित गद्यांशं पठित्वा केवलं त्रीन् प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत– $2 \times 3 = 6$

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल तीन प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

एकः नवयुवकः अधिवक्ता श्वेतवेषः शिरसि टोपिकां धृत्वा न्यायालयं प्रविष्टवान्। आंग्लन्यायाधीशः एतस्य नवयुवकस्य गौरवमयं भारतीयं वेशं दृष्ट्वा तम् आदिष्टवान् यत् टोपिकां विना न्यायालयं प्रविशतु अन्यथा बहिर्गच्छतु।" सः नवयुवकः आंग्लन्यायाधीशस्य समक्षम् अवदत्– "अहं न्यायालयं त्यक्तुं शक्नोमि परं स्वटोपिकां न निष्कासयिष्यामि, यतो हि एषः मम आत्मगौरवस्य विषयः अस्ति।"

(क) कीदृशः नवयुवकः न्यायालयं प्रविष्टवान् ?

(ख) आंग्लन्यायाधीशः नवयुवकस्य भारतीयं वेशं दृष्ट्वा किम् आदिष्टवान् ?

(ग) नवयुवकः आंग्लन्यायाधीशं किम् अवदत् ?

(घ) नवयुवकः किं न निष्कासयिष्यति ?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत– 2×2 =

(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

रे ! रे ! चातक सावधानमनसा मित्र! क्षणं श्रूयताम्
अम्भोदाः बहवो वसन्ति गगने सर्वेऽपि नैतादृशाः।
केचिद् वृष्टिभिरार्द्रयन्ति वसुधां गर्जन्ति केचिद् वृथा
यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रूहि दीनं वचः।

(क) कविः चातकं किं कर्तुं कथयति ?

(ख) सर्वे अम्भोदाः कीदृशाः न सन्ति ?

(ग) कविः चातकेन कं संदिशति ?

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः पञ्च प्रश्नान् संस्कृत भाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत– 2×5 = 1

(निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

(क) नीचाः केन भयेन कार्यं न आरभन्ते ?

(ख) मण्डूकाः कस्य आरोहणम् आरब्धवन्तः ?

(ग) वार्षिकोत्सवे मञ्चसंचालनं कः करिष्यति ?

(घ) उष्मतः किं किं म्लायते ?

(ङ) कस्मात् पादपाः पश्यन्ति ?

(च) श्रीकृष्णः दुर्योधनसभां कुतः किमर्थम् आगतः ?

(छ) प्रकृति समक्षं अद्यापि कः वामनकल्पः अस्ति ?

(ज) केषां पर्वतानां विस्फोटैरपि भूकम्पो जायते ?

15. निम्नांकित शब्द सूचीतः शब्दान् चित्वा चत्वारि वाक्यानि उत्तरपुस्तिकायां लिखत– 1×4 =

(निम्नलिखित शब्दों में से चार शब्दों का संस्कृत में वाक्य में प्रयोग कीजिए)

शब्द सूची– ग्रामात्, पठानि, गमिष्यन्ति, कन्दुकेन, जिघ्रति, रामस्य, तत्र, यूयं, सा, उत्तमजनाः

16. (क) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरुत (समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिए)– 1

देवमन्दिरम् **अथवा** पञ्चपात्रम्

(ख) विभक्ति निर्देशनं कुरुत (विभक्ति बताइए) – 1

जगते **अथवा** सर्वस्याः

(ग) 'सरित्' **अथवा** 'राजन्' शब्दस्य द्वितीया विभक्तेः द्विवचनस्य रूपं लिखत। 1

('सरित्' **अथवा** 'राजन्' शब्द का द्वितीया विभक्ति के द्विवचन का रूप लिखिए।)

(घ) 'भू' **अथवा** 'पठ्' धातोः लट्लकारस्य उत्तम पुरुषस्य बहुवचनस्य रूपं लिखत। 1

('भू' **अथवा** 'पठ्' धातु का लट्लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन का रूप लिखिए)

(ङ) (i) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए) – गोपालकः + तव **अथवा** रामः + अपि 1

(ii) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए) – कश्चित् **अथवा** दुर्जनः 1

अथवा

अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायाम् तस्य अनुवादं कुरुत। 3+3=6

(कोई एक कंठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो, लिखिए और हिन्दी में उसका अनुवाद कीजिए।)

****

रोल नं. | | | | | | | | |

मुदित पृष्ठों की संख्या : 4

101

401 (IAA)

2016

हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड 'अ' और 'ब' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

प्रत्येक समाज को एक दार्शनिक मत स्वीकार करना होगा। उसी के आधार पर उसकी राजनीतिक, सामाजिक और कौटुम्बिक व्यवस्था का व्यूह खड़ा होगा। जो समाज अपने वैयक्तिक और सामूहिक जीवन को केवल प्रतीयमान उपयोगिता के आधार पर चलाना चाहेगा उसे बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। एक विभाग के आदर्श दूसरे विभाग के आदर्श से टकरायेंगे। जो बात एक क्षेत्र में ठीक जँचेगी वही दूसरे क्षेत्र में अनुचित कहलायेगी और मनुष्य के लिए अपना कर्त्तव्य स्थिर करना कठिन हो जायेगा। इसका तमाशा आज दीख पड़ रहा है। चोरी करना बुरा है पर पराये देश का शोषण करना बुरा नहीं है। झूठ बोलना बुरा है पर राजनीतिक क्षेत्र में सच बोलने पर अड़े रहना मूर्खता है। घरवालों के साथ, देशवासियों के साथ और परदेशियों के साथ बर्ताव करने के लिए अलग–अलग आचारावलियाँ बन गयी हैं। इससे विवेकशील मनुष्य को कष्ट होता है। पग–पग पर धर्मसंकट में पड़ जाता है कि क्या करूँ ? कल्याण इसी में है कि खूब सोच–विचारकर एक व्यापक दार्शनिक मत अंगीकार किया जाये और फिर सारे व्यवहार की नींव बनाई जाये।

(क) प्रतीयमान उपयोगिता का क्या तात्पर्य है ? 3

(ख) समाज को अपनी व्यवस्थाओं का व्यूह किसके आधार पर खड़ा करना चाहिए ? 3

(ग) विवेकशील मनुष्य को कष्ट कब होता है ? 3

(घ) 'दार्शनिक मत' स्वीकार न करने से जो तमाशा आज दिखाई पड़ रहा है, उसका एक उदाहरण दीजिए। 3

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 3

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिये – 10

(क) कामकाजी नारी और उसकी समस्याएँ

(ख) विज्ञापन का जीवन पर प्रभाव

(ग) उत्तराखण्ड की सम्पदा– जल और वन का उपयोग

(घ) अन्तरिक्ष में भारत के बढ़ते चरण

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – $1 \times 5 = 5$

(क) सम्पादकीय का उद्देश्य क्या होता है ?

(ख) इण्टरनेट से होने वाले दो लाभ बताइये।

(ग) फ्रीलांसर पत्रकार किसे कहते हैं ?

(घ) 'उल्टा पिरामिड' किसे कहा जाता है ?

(ङ) 'ब्रेकिंग न्यूज' किसे कहते हैं ?

4. 'केदारनाथ–आपदा' पर लगभग 150 शब्दों में एक रिपोर्ट तैयार कीजिए। 5

अथवा

'मोबाइल बिन सब सून' विषय पर लगभग 150 शब्दों में आलेख लिखिए।

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $2\times3=6$

(i) कर यत्न मिटे सब, सत्य किसी ने जाना ?
नादान वहीं है, हाय, जहाँ पर दाना !
फिर मूढ़ न क्या जग, जो इस पर भी सीखे ?
मैं सीख रहा हूँ, सीखा ज्ञान भुलाना !
मैं और, और जग और, कहाँ का नाता,
मैं बना–बना कितने जग रोज़ मिटाता;
जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा करता वैभव,
मैं प्रति पग से उस पृथ्वी को ठुकराता !

(क) 'नादान वहीं है, हाय, जहाँ पर दाना।' कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?
(ख) कवि ने संसार को 'मूढ़' क्यों कहा है ?
(ग) कवि और संसार में कोई नाता क्यों नहीं है ?

(ii) खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी।
जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी ?'
बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ बिलोकिअत,
साँकरे सबैं पै, राम ! रावरें कृपा करी।
दारिद–दसानन दबाई दुनी, दीनबंधु !
दुरित–दहन देखि तुलसी हहा करी ।।

(क) जीविका विहीन लोगों की कैसी दशा हो रही है ? वे एक–दूसरे से क्या कह रहे हैं ?
(ख) वेद और पुराण में क्या कहा गया है ?
(ग) कवि क्या देखकर दुखी हो रहा है ?

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $2\times2=4$

आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है
बालक तो हई चाँद पै ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ
देख आइने में चाँद उतर आया है

(क) उक्त पंक्तियों में भाव–सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।
(ख) भाषा की दृष्टि से काव्यांश के सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $2\times2=4$

(क) दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का क्या तात्पर्य है ?
(ख) 'बादल–राग' कविता में कवि की सहानुभूति समाज के किस वर्ग के साथ है ? क्यों ?
(ग) 'शीतल वाणी में आग' से कवि का क्या आशय है ? 'आत्मपरिचय' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिये।

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $2\times3=6$

(i) इन बातों को आज पचास से ज़्यादा बरस होने को आए पर ज्यों की त्यों मन पर दर्ज हैं। कभी–कभी कैसे–कैसे सन्दर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए करते क्या हैं ? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी–बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम–निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं ? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं ? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?

(क) लेखक के मन को कौन सी बात कचोट जाती है ?

(ख) भ्रष्टाचार की बातें करते समय हम क्या नहीं जाँचते हैं ?

(ग) 'गगरी फूटी की फूटी और बैल पियासे के पियासे' वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ii) जाति–प्रथा को यदि श्रम विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। कुशल व्यक्ति या सक्षम–श्रमिक–समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धान्त के विपरीत जाति–प्रथा का दूषित सिद्धान्त यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता–पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार, पहले से ही अर्थात् गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

(क) जाति–प्रथा को स्वाभाविक श्रम विभाजन क्यों नहीं माना जा सकता है ?

(ख) सक्षम श्रमिक–समाज का निर्माण करने के लिए क्या आवश्यक है ?

(ग) जाति–प्रथा का दूषित सिद्धान्त क्या है ?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $3\times2=6$

(क) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गईं ?

(ख) नमक की पुड़िया ले जाने के सम्बन्ध में साफिया के मन में कौन सा द्वन्द्व चल रहा था ?

(ग) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों माना है ?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $2\times2=4$

(क) 'सिल्वर वैडिंग' पार्टी के अन्त में यशोधर बाबू को कौन सी बात चुभ गई और क्यों ?

(ख) 'जूझ' के आधार पर बताइए कि बहुत दिनों से घर बैठा लेखक पुनः पाठशाला कैसे पहुँचा ?

(ग) मुअनजो–दड़ो और चण्डीगढ़ नगर की शैली में क्या समानता है ?

11. यशोधर बाबू की कहानी में किशन दा की भूमिका की विवेचना कीजिए। 5

अथवा

श्री सौंदलगेकर के अध्यापन की उन विशेषताओं को रेखांकित कीजिये जिन्होंने कविताओं के प्रति लेखक के मन में रुचि जाग्रत की।

खण्ड – 'ब'

12. निम्नांकित गद्यांशं पठित्वा केवलं त्रीन् प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – $2\times3=6$

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल तीन प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

पण्डितजवाहरलालनेहरू अस्य व्यक्तित्वसन्दर्भे उक्तवान् "पं० गोविन्दवल्लभपन्तः झंझावातेषु अपि मार्गप्रदर्शकः दीपकः आसीत्" पण्डितगोविन्दवल्लभपन्तः 1961 तमे वर्षे मार्चमासस्य सप्तमे दिनाङ्के इह लोकं परित्यज्य दिवं जगाम परन्तु अस्य कीर्तिकौमुदी सदैव जनानां मार्गदर्शनं करिष्यति।

(क) पं० गोविन्दवल्लभपन्तस्य व्यक्तित्वसंदर्भे पण्डितजवाहरलालनेहरुः किम् उक्तवान् ?

(ख) 'मार्गप्रदर्शकः दीपकः' कः आसीत् ?
(ग) कस्मिन् दिनाङ्के गोविन्दवल्लभपन्तः इह लोकं परित्यजति स्म ?
(घ) कस्य कीर्तिकौमुदी जनानां मार्गदर्शनं करिष्यति ?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×2 = 4
(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)
उष्मतो म्लायते वर्णस्त्वक् फलं पुष्पमेव च।
म्लायते शीर्यते चापि स्पर्शस्तेनात्र विद्यते ।।
वाय्वग्न्यशनिनिर्घोषैः फलं पुष्पं विशीर्यते।
श्रोत्रेण गृह्यते शब्दस्तस्माच्छृण्वन्ति पादपाः ।।
(क) उष्मतः वृक्षाणां किं किं म्लायते ? (ख) फलं पुष्पं केन विशीर्यते ? (ग) शब्दः केन गृह्यते ?

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः पञ्च प्रश्नान् संस्कृत भाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×5 = 10
(निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)
(क) मृगया अस्माकं कुलवृत्तिः कः कस्मै कथयति ?
(ख) का सदैव कटु वचनं वदति ?
(ग) प्रेक्षकाः मण्डूकाः किं कृतवन्तः ?
(घ) अनुजः किं परित्यक्तवान् ?
(ङ) मंचसंचालनं कः करिष्यति ?
(च) का वृक्षं वेष्टयते ?
(छ) 'धर्मात्मजः' इति पदं कस्मै प्रयुक्तम् ?
(ज) समस्तराष्ट्रं केषाम् उल्लासे मग्नं आसीत् ?

15. निम्नांकित शब्द सूचीतः शब्दान् चित्वा चत्वारि वाक्यानि उत्तरपुस्तिकायां लिखत – 1×4 = 4
(निम्नलिखित शब्दों में से चार शब्दों का संस्कृत में वाक्य प्रयोग कीजिए)

शब्दसूची – शिक्षकः, करिष्यामि, कुशलः, भवन्ति, कीदृशः, स्पर्धाः, पादपाः, अस्माकं, अत्र, बहवः

16, (क) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरुत (समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिए।) – 1
चन्द्रमुखम् **अथवा** हरित्रातः

(ख) कारकस्य निर्देशनं कुरुत (कारक का निर्देशन कीजिए) – 1
वृक्षेषु वानराः सन्ति। **अथवा** गुरुः छात्राय पुस्तकं ददाति।

(ग) 'आत्मन्' **अथवा** 'भूपति' शब्दस्य तृतीया विभक्तेः बहुवचनस्य रूपं लिखत। 1
('आत्मन्' **अथवा** 'भूपति' शब्द का तृतीया विभक्ति के बहुवचन का रूप लिखिए।)

(घ) लकारं पुरुषं च लिखत (लकार और पुरुष लिखिए) – 1
गर्जन्ति **अथवा** गच्छ

(ङ) (i) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए) – मुनिः + तपति **अथवा** निः + धनम् 1
(ii) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए) – रामोऽपि **अथवा** निस्सार 1

अथवा

अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायाम् तस्य अनुवादं कुरुत। 3+3 = 6
(कोई एक कण्ठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो, लिखिए और हिन्दी में उसका अनुवाद कीजिए)

****

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4
No. of printed pages : 4

102

402 (IAC)

2016

हिन्दी

(केवल कृषि वर्ग भाग—II के लिए)

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 100

निर्देश : (1) इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड 'अ' और 'ब' हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रश्नों के उत्तर यथा सम्भव क्रमवार दीजिए।

(2) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मनुष्य नाशवान् प्राणी है। वह जन्म लेने के बाद मरता अवश्य है। अन्य लोगों की तरह महापुरुष भी नाशवान् हैं। वे भी समय आने पर अपना शरीर छोड़ देते हैं, पर वे मरकर भी अमर हो जाते हैं। वे अपने पीछे छोड़े गए कार्य के कारण अन्य लोगों के द्वारा याद किए जाते हैं। उनके ये कार्य चिरस्थायी होते हैं और समय के साथ–साथ परिणाम और बल में बढ़ते जाते हैं। ऐसे कार्य के पीछे जो उच्च आदर्श होते हैं, वे स्थायी होते हैं और बदली परिस्थितियों में नए वातावरण के अनुसार अपने को ढाल लेते हैं। संसार ने पिछली पच्चीस शताब्दियों से भी अधिक में जितने भी महापुरुषों को जन्म दिया, उनमें गाँधी जी को यदि बड़ा माना जाता है तो भविष्य में भी उन्हें सबसे बड़ा माना जाएगा, क्योंकि उन्होंने अपने जीवन की गतिविधियों को विभिन्न भागों में नहीं बाँटा, बल्कि जीवन धारा को सदा एक और अविभाज्य माना। जिन्हें हम सामाजिक, आर्थिक और नैतिक के नाम से पुकारते हैं, वे वास्तव में उसी धारा की उपधाराएँ हैं, उसी भवन के अलग–अलग पहलू हैं। गाँधी जी ने मानव–जीवन के इस नव–कथानक की व्याख्या न किसी हृदय को स्पर्श करने वाले वीर काव्य की भाँति की और न किसी दार्शनिक महाकाव्य की भाँति। उन्होंने मनुष्यों की आत्मा में अपने को निम्नतम् रूप में उचित कार्य के प्रति निष्ठा, किसी ध्येय की पूर्ति के लिए सेवा और किसी विचार के प्रति समर्पण के बीच सतत चलने वाले संघर्ष के नाटक की भाँति माना है। उन्होंने सदा साध्य को ही महत्त्व नहीं दिया, बल्कि उस साध्य को पूरा करने के लिए अपनाए जाने वाले साधनों का भी ध्यान रखा। साध्य के साथ–साथ उसकी पूर्ति के लिए अपनाए गए साधन भी उपयुक्त होने चाहिए।

(क) सामान्य पुरुष व महापुरुष में क्या अन्तर है ? 3

(ख) गाँधी जी को भविष्य में भी बड़ा क्यों माना जाएगा ? 3

(ग) गाँधी जी ने मानव–जीवन की व्याख्या किस प्रकार की ? 3

(घ) साध्य और साधन के सम्बन्ध में गाँधी जी के क्या विचार थे ? 3

(ङ) इस गद्यांश के लिये उपयुक्त शीर्षक लिखिये। 3

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए – 10

(क) राष्ट्र निर्माण में युवा–शक्ति का योगदान

(ख) उत्तराखण्ड में पर्यटन की सम्भावनाएँ

(ग) प्रदूषण और हमारा दायित्व

(घ) सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – $1 \times 5 = 5$

(क) एक श्रेष्ठ प्रतिवेदन में क्या गुण होने चाहिए ? लिखिए।

(ख) जनसंचार का माध्यम 'रेडियो' की उपयोगिता क्या है ?

(ग) इन्टरनेट की सुविधाओं में 'होम पेज' क्या है ?

(घ) मुद्रण–माध्यम की एक प्रमुख विशेषता लिखिए।

(ङ) किसी हिन्दी मासिक पत्रिका का नाम बताइये।

[P.T.O.

4. 'मोबाइल फोन का करिश्मा' विषय पर लगभग 150 शब्दों में एक आलेख लिखिए। 5

अथवा

'बढ़ती महंगाई' के कारण जनता में व्याप्त असन्तोष पर लगभग 150 शब्दों का एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।

5. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

पग घुंघरू बांधि मीरां नाची,
मैं तो मेरे नारायण सूं, आपहि हो गयी साची
लोग कहै, मीरां भइ बावरी; न्यात कहै कुल–नासी
विस का प्याला राणा भेज्या, पीवत मीरां हाँसी
मीरां के प्रभु गिरधर नागर, सहज मिले अविनासी।

(क) लोग मीरा को बावरी क्यों कहते हैं ?
(ख) मीरा ने विष का प्याला हँसते हुए क्यों पी लिया ?
(ग) मीरा ने 'सहज मिले अविनासी' क्यों कहा ?

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।

(क) छोटे चौकोने खेत को कागज का पन्ना कहने में क्या अर्थ निहित है ?
(ख) रचना के सन्दर्भ में 'अंधड़ व बीज' का क्या आशय है ?
(ग) इस कविता का तथा इसके कवि का नाम लिखिए।

7. निम्नलिखित काव्यांशों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए – $2+2=4$

(क) हे सजीले हरे सावन,
हे कि मेरे पुण्य पावन,
तुम बरस लो वे न बरसें,
पाँचवें को वे न तरसें,

(ख) आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गयी
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी।

8. (क) कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं ? 2

अथवा

'आओ, मिलकर बचाएँ' कविता आदिवासी समाज की किन बुराइयों की ओर संकेत करती है ?

(ख) 'कैमरे में बन्द अपाहिज़' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है – इस कथन का तर्क संगत उत्तर दीजिए। 2

अथवा

'पतंग' कविता के आधार पर बताइये कि दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का क्या तात्पर्य है ?

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

स्पीति हिमाचल प्रदेश के लाहुल–स्पीति जिले की तहसील है। लाहुल–स्पीति का यह योग भी आकस्मिक ही है। इनमें बहुत योगायोग नहीं है। ऊँचे दर्रों और कठिन रास्तों के कारण इतिहास में भी कम रहा है। अलंघ्य भूगोल यहाँ इतिहास का एक बड़ा कारक है। अब जबकि संचार में कुछ सुधार हुआ है तब भी लाहुल–स्पीति का योग प्रायः 'वायरलेस सेट' के जरिए हैं जो केलंग और काजा के बीच खड़कता रहता है। फिर भी केलंग के बादशाह को भय लगा रहता है कि कहीं काजा का सूबेदार उसकी अवज्ञा तो नहीं कर रहा है ? कहीं बगावत तो नहीं करने वाला है ? लेकिन सिवाय वायरलेस सेट पर संदेश भेजने के वह कर भी क्या सकता है ? वसंत में भी 170 मील जाना–आना कठिन है। शीत में प्रायः असंभव है।

(क) स्पीति में इतिहास कम क्यों रहा है ?
(ख) स्पीति की भौगोलिक स्थिति पर प्रकाश डालिए।
(ग) केलंग के बादशाह का डर क्या है ?

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

सेवक–धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है – नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने–अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि–सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ। उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने, इसी से जब मैंने कंठी माला देखकर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गद्‌गद हो उठी।

(क) भक्तिन कौन है ?

(ख) सभी को अपने–अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है, क्यों ?

(ग) भक्तिन समझदार कैसे है ? वह अपने नाम के बारे में क्या गोपनीयता बरतती है ?

11. 'नमक का दारोगा' कहानी का कौन सा पात्र आपको सर्वाधिक प्रभावित करता है और क्यों ? संक्षेप में लिखिए। 3

अथवा

मोहन के लखनऊ आने के बाद के समय को लेखक ने उसके जीवन का एक नया अध्याय क्यों कहा है ?

12. द्विवेदी जी ने शिरीष को कालजयी अवधूत (संन्यासी) की तरह क्यों माना है ? 3

अथवा

'पानी दे, गुड़धानी दे' इंदर सेना के इस खेलगीत का आशय लिखिए।

13. कुंई का मुँह छोटा क्यों रखा जाता है ? 2

अथवा

अपने परिवार से तातुश के घर तक के सफर में बेबी के सामने रिश्तों की कौन–सी सच्चाई उजागर होती है ?

14. स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लेखक के मन में कैसे पैदा हुआ ? 'जूझ' कहानी के आधार पर उत्तर दीजिए। 2

अथवा

'जन्यो पुन्यूँ' से क्या आशय है ?

15. 'मेरा इतना सुख अभी तक कहाँ था ?' आलो–आँधारि की लेखिका ने ऐसा क्यों कहा ? 5

अथवा

पुरातत्व के किन चिन्हों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि–'सिन्धु–सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।'

खण्ड – 'ब'

16. अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत। $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए।)

अत्र बदरीनाथः, केदारनाथः, गंगोत्री, यमनोत्री च चत्वारि धामानि धार्मिकजनानां श्रद्धाकेन्द्राणि वर्तन्ते। अनेकैः धर्मपरायणैः जनैः निर्मिताः धर्मशालाः नूतनाः निर्मिताः राजमार्गाः च तीर्थयात्रां सुखदां निर्मान्ति। प्रतिवर्षं न केवलं भारतस्यैव अपितु वैदेशिकाः अपि अधिकाधिकसंख्यायाम् अत्र समागच्छन्ति। तीर्थयात्रिणः गंगायाः पावने शीतले च जले स्नात्वा मठमन्दिरेषु च भगवतः दर्शनानि कृत्वा आत्मनः जीवनं धन्यं कुर्वन्ति, तत्रैव पर्यटनार्थं समागताः अपि यात्रिकाः मसूरी–नैनीताल–कौसानी–कुसुमोपत्यकादिषु सुरम्येषु स्थानेषु आगत्य प्रकृत्याः मनोहरं सौन्दर्यं विलोक्य स्वर्गसुखामिव अनुभवन्ति।

(क) कानि धार्मिकजनानां श्रद्धाकेद्राणि वर्तन्ते ? (ख) प्रतिवर्ष के उत्तराखण्डे समागच्छन्ति ?

(ग) तीर्थयात्रिणः किम् कृत्वाः आत्मनः जीवनं धन्यं कुर्वन्ति ?

17. अधोलिखित गद्यांशं पठित्वा मात्र प्रश्न द्वयो उत्तरं लिखत। 1½+1½=3

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए।)

किन्तु एकः लघुकायः मण्डूकः मन्दं मन्दं स्तम्भस्य आरोहणम् आरब्धवान्। 'एषः लघुकायः कथं स्तम्भस्य आरोहणं कुर्यात् ?' इति सर्वे उपहसितवन्तः। अल्पे एव काले सः लघुकायः स्तम्भस्य मध्यभागं प्राप्नोत्। 'अये, पतिष्यति भवान्।' 'भोः, किमर्थम् एतत् साहसं भवतः।' 'अयि भोः, भवतः प्रयासः व्यर्थः' इत्यादीनि वचनानि मण्डूकानां मुखात् निर्गतानि। तथापि सः लघुकायः मण्डूकः निरन्तरम् अग्रे अगच्छत्। सर्वेषु आश्चर्येण पश्यत्सु सः स्तम्भस्य अग्रभागम् अपि प्राप्नोत्।

(क) लघुकायः मण्डूकः कथं सर्वे उपहासितवन्तः ? (ख) मण्डूकानां मुखात् कीदृशानि वचनानि निर्गतानि ?

(ग) सर्वेषु आश्चर्येण पश्यत्सु किम अभवत् ?

18. प्रदत्त श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत। 2

(निम्नलिखित श्लोक से पूछे गए प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिये)

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम् ।।

(क) कस्य चत्वारि गुणाः वर्धन्ते ? (ख) अभिवादनशीलस्य नित्य वृद्धोपसेविनः किम् किम् वर्धन्ते ?

19. प्रदत्त श्लोकं पठित्वा प्रश्न **एकस्य** उत्तरं लिखत। 2

(निम्नलिखित श्लोक से पूछे गए प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिये।)

उष्मतो म्लायते वर्णस्त्वक् फलं पुष्पमेव च।
म्लायते शीर्यते चापि स्पर्शस्तेनात्र विद्यते ।।

(क) अत्र किं किम् म्लायते शीर्यते च ? (ख) फलं पुष्पं केन विशीर्यते ?

20. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत। 2½+2½=5

(संस्कृत पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए)

(क) श्रीहर्ष काले कः यात्री भारतम् आगतवान् ? (ख) मणिरामस्य स्यूते कानि रत्नानि सन्ति ?

(ग) दिनेश मातरम् किं पृच्छति ? (घ) कीदृशः नरः साक्षात् पशु भवति ?

21. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाधारेण् प्रदत्तेषु प्रश्नेषु प्रश्न **द्वयो** उत्तरं लिखत। 2½+2½=5

(संस्कृत पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए)

(क) कवि चातकं किं कर्तुम् कथयति ? (ख) अनुजस्य हृदयं किं द्रावयति स्म ?

(ग) गोविन्दबल्लभपन्तः कीदृशः राजनीतिज्ञ आसीत ? (घ) 'गान्धारी' कस्य माता आसीत् ?

22. अधोलिखितेषु पदेषु मात्र **चत्वारि** पदानि चित्वा तेषां वाक्य रचना संस्कृत भाषायां कुरुत। 4

(निम्नलिखित पदों में से **चार** पदों की वाक्य रचना संस्कृत में कीजिए)

वानरात्, आचार्य, वसुधाम्, यस्य, गच्छति, रसगोलकम्, गंगा, पत्रं, कुत्र, उद्याने

23. (क) सन्धिं कुरुत। (सन्धि कीजिए।) : देव+आत्मजाः **अथवा** प्रसन्नः+अस्मि 1

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत। (सन्धि विच्छेद कीजिए।) : दुर्योधन **अथवा** विविधैरपि 1

(ग) समास विग्रहं कुरुत। (समास विग्रह कीजिए।) : नीलकण्ठः **अथवा** प्रतिदिनम् 1

(घ) कारकं स्पष्टं कुरुत। (कारक स्पष्ट कीजिए।) : सः सिंहात् विभेति **अथवा** श्रीगुरवेः नमः 1

(ङ) पुरुष वचनं च लिखत। (पुरुष और वचन लिखिए।) : विभेषि **अथवा** पठिष्यामि 1

(च) विभक्ति वचनं च लिखत। (विभक्ति और वचन लिखिए) : रूपग्रामे **अथवा** भक्षणात् 1

अथवा

अस्मिन प्रश्न–पत्रे आगतम् श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कंठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायां तस्य अंनुवादं कुरुत। 3+3 = 6

(कोई एक कण्ठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्न–पत्र में न आया हो, लिखिए और उसका हिन्दी में अनुवाद कीजिए)

****